

29/7/24

अर्थी पत्र अमुक कते ए पत्रावली
 पेग इई) अथर्वरा रूप पक्ष दण्डि
 वारी स्वपत्र दण्डि आपा वाड
 पत्र आगे नथी चलाना चाहेता
 श्री वाड पत्र को इती स्त पत्र
 विद्वा करना चाहेता श्री अर्थी
 पत्र कुवलोकन व वाड मन्त्र अर्थ
 का अर्थी पत्र स्वीकार किया जाता
 श्री पत्रावली विद्वा श्री वाकल
 इती स्त पत्र खारिज की
 वाली श्री पत्रावली कुल्लला धेनल
 वाड स्वमाल साखिल इतर दोग

अथर्वरा
 अ. क. म.
 रानी

सहायक कर्तार एवं
 उपबन्ध अधिकारी पीसीवंगा